गोल 2.0

प्रलिम्सि के लयि:

गोल कार्यक्रम, डजिटिल प्रौद्योगकिी, प्रधानमंत्री कौशल वकिास योजना, ई-स्कलि इंडयिा पोर्टल, समग्र शक्षिा

मेन्स के लयि:

भारतीय समाज के लयि डजिटिल सशक्तीकरण का महत्त्व, संबंधति सरकारी पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **जनजातीय मामलों के मंत्रालय और मेटा (पूर्व में फेसबुक) ने गोल प्रोग्राम (GOAL 2.0)** का दूसरा चरण शुरू कयिा है।

GOAL कार्यक्रम:

- **GOAL (गोइंग ऑनलाइन एज़ लीडर्स)** कार्यक्रम को मई 2020 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू कयिा गया था और यह दसिंबर 2021 में पूरा हुआ।
- इसका उद्देश्य मेंटॉर (सलाहकार या प्रशक्षिण देने वाला) और मेंटी (प्रशक्षिु) की अवधारणा के माध्यम से जनजातीय युवाओं व महलिाओं का डजिटिल सशक्तीकरण करना है।
- **यह कार्यक्रम पूरी तरह से मेटा (फेसबुक इंडयिा) द्वारा वत्तिपोषति है।**
- इस चरण में प्रशक्षिुओं को तीन पाठ्यक्रम आधारों में प्रशक्षिण प्रदान कयिा गया था।
    - संचार व जीवन कौशल
    - डजिटिल उपस्थतिि को सक्षम बनाना
    - नेतृत्व व उद्यमता

GOAL 2.0:

- **परचिय:**
    - GOAL 2.0 कार्यक्रम जनजातीय समुदाय के सभी लोगों के लयि खुला है।
        - चरण- I में एक प्रशक्षिक को दो प्रशक्षिकों से जोड़कर ऑनलाइन डजिटिल मेंटरशपि प्रदान की गई।
- **उद्देश्य:**
    - इस कार्यक्रम का उद्देश्य फेसबुक लाइव सत्र और एक डजिटिल शक्षिण उपकरण- मेटा बज़िनेस कोच के माध्यम से जनजातीय युवाओं के कौशल को बढ़ाना और उन्हें डजिटिल रूप में सक्षम बनाना है।
    - 50,000 **वन धन स्वंय सहायता समूहों** के 10 लाख से अधकि सदस्यों पर वशिष फोकस रहेगा।
        - उन्हें अपने उत्पादों की बाज़ार मांग, पैकेजगि, ब्रांडगि और वपिणन के संबंध में डजिटिल रूप से प्रशक्षिति कयिा जाएगा।
    - GOAL 2.0 के तहत वभिन्नि क्षेत्रों के उद्योग **वशिषज्ञों द्वारा क्रमकि सत्रों के आधार पर प्रशक्षिुओं की आवश्यकताओं के अनुरूप चैटबॉट के प्रावधान** के साथ जनजातीय युवाओं को प्रशक्षिण प्रदान कयिा जाएगा ताकि वे अधकितम भागीदारी के साथ लाभान्वति हो सकें।
- **शामलि एजेंसयिाँ:**
    - इलेक्ट्रॉनकिी और सूचना प्रौद्योगकिी मंत्रालय के समन्वय से जनजातीय कार्य मंत्रालय इस कार्यक्रम के तहत चुने गए 175 एकलव्य मॉडल आवासीय वद्यिालयों (EMRS) में से प्रत्येक में 6 डजिटिल कक्षाएँ संचालति करेगा।
    - यह परयिोजना ERNET की ओर से कार्यान्वति की जा रही है जो इलेक्ट्रॉनकिी एवं और सूचना प्रौद्योगकिी मंत्रालय (**MeITY**) के तहत एक स्वायत्त संगठन है।

कौशल वकिास के लयि कुछ अन्य पहलें:

- **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):**
  - स्किल इंडिया मिशन के तहत **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)** इस योजना को लागू कर रहा है।
  - PMKVY 3.0 के तहत डिजिटिल प्रौद्योगिकी एवं उद्योग 4.0 पर कौशल विकास हेतु भी ध्यान दिया गया है।
  - क्षेत्र कौशल परिषदों (SSC) ने नई और उभरती डिजिटिल तकनीकों व उद्योग 4.0 कौशल जैसे **कृत्रिम बुद्धिमित्ता (AI)** और **इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)** में भी रोज़गार का सृजन किया है।
- **ई-स्किल इंडिया पोर्टल:**
  - MSDE के तत्त्वावधान में **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)** ने eSkill India पोर्टल के माध्यम से **ऑनलाइन कौशल कार्यक्रम** शुरू किया है।
  - यह मंच **साइबर सुरक्षा**, **ब्लॉकचेन**, **आर्टफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, सांख्यिकीय व्यापार विश्लेषिकी,** **क्लाउड** **तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर सीखने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही डिज़ाइन विधि, परियोजना प्रबंधन और डिजिटिल मार्केटिंग** जैसे पेशेवर कौशल भी प्रदान करता है।
- **समग्र शिक्षा:**
  - '**समग्र शिक्षा'** के **व्यावसायिक शिक्षा** घटक के तहत आने वाले स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के **आदिवासी छात्रों सहित स्कूली छात्रों के लिये राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुरूप व्यावसायिक पाठ्यक्रम** पेश किये जाते हैं।
  - इसमें **संचार कौशल, स्व-प्रबंधन कौशल, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कौशल, उद्यमिता कौशल एवं हरित कौशल** शामिल हैं।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/goal-2-0